# NEWS FOR UPSC

UPSC

IAS/PCS

STATE EXAM

All Exam

ABHAY SIR

# CURRENT AFFAIRS

## 17 Dec. 2024

# Always use branded items in life.

For lips –Truth.
For voice– Prayer,
For eyes– Sympathy,
For hand– Charity,
For heart– Love &
For face– Smile.

Result Mitra

Topic 1:– सौर सुपरफ्लेयर्स और सौर ज्वालाएं

Topic 2:– राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

Topic 3 :– विश्व बैंक की 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' रिपोर्ट

Topic 4 :– मायोट में चक्रवात 'चिडो'

Topic 5 :– संग्रहालय अनुदान योजना

Topic 6 :– जोधईया अम्मा का निधन

# सौर सुपरफ्लेयर्स और सौर ज्वालाएं

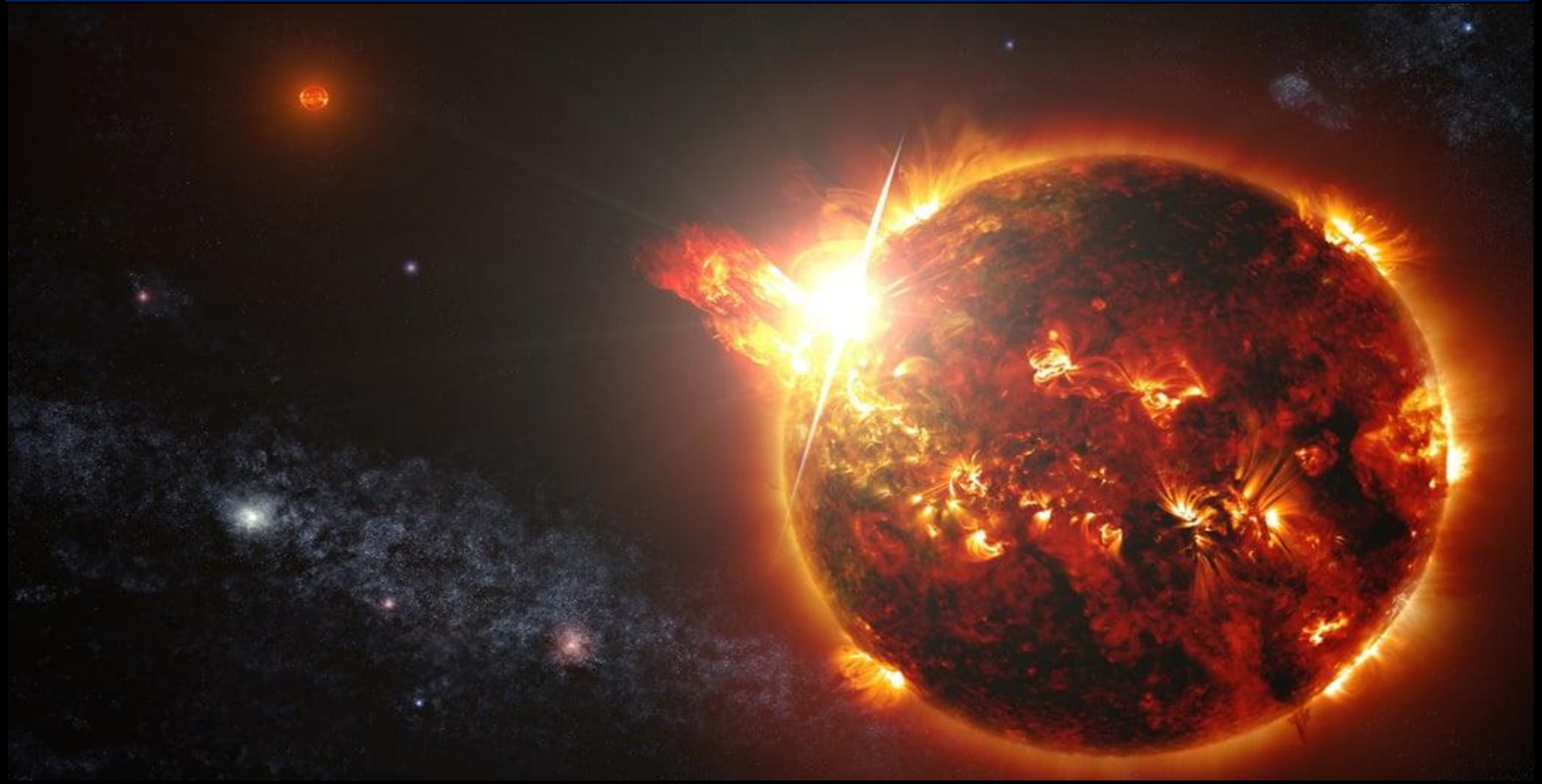

Result Mitra

❑**चर्चा में क्यों:–** किए गए हालिया अध्ययन के अनुसार आने वाले समय में सूर्य से अनुमान से कहीं ज्यादा बार भयंकर सुपरफ्लेयर उत्पन्न हो सकते है।

❑**सौर सुपरफ्लेयर :–**

1.ये सामान्य सौर फ्लेयर्स की तुलना में कहीं अधिक शक्तिशाली होते हैं
2. इनसे लाखों गुना अधिक ऊर्जा निकल सकती है
3.इनसे पृथ्वी पर गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं
4.दुनिया भर में संचार प्रणाली, पावर ग्रिड और उपग्रह तक नष्ट हो सकते हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

**क्या होता है सौर सुपरफ्लेयर्स, क्या पृथ्वी के लिए बन सकते हैं विनाशकारी?**

*अगर कोई सुपरफ्लेयर पृथ्वी से टकराता है, तो बिजली के ग्रिड ध्वस्त हो सकते हैं, जिससे अंधकार छा सकता है, उपग्रह भी विफल हो सकते हैं, जिससे संचार, मौसम पूर्वानुमान व जीपीएस में रुकावट आ सकती है।*

**Source :– DOWN TO EARTH**

❑सुपरफ्लेयर एक दुर्लभ घटना मानी जाती है जो हजारों वर्ष में एक बार घटित होती है।
❑किंतु कई बार यह घटना कम समय में अधिक भार भी देखने को मिल सकती है।
❑हाल ही में उनके बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए 56,000 सूर्य जैसे तारों का अध्ययन किया गया।

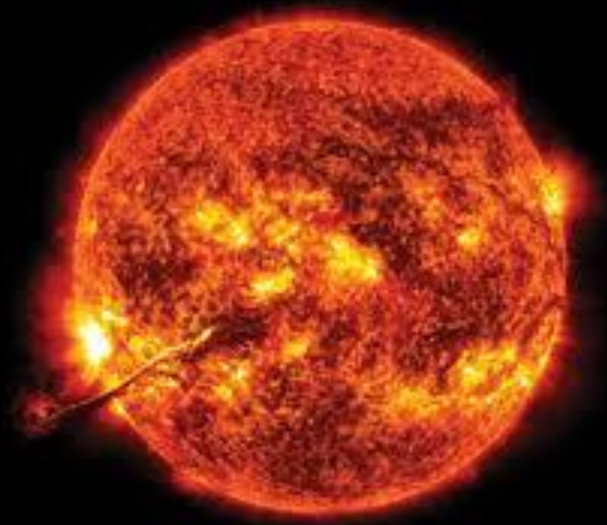

❑क्या होता है सौर सुपरफ्लेयर्स :–
❑यह विद्युत चुम्बकीय विकिरण के शक्तिशाली विस्फोट होते हैं यह सूर्य जैसे तारों की सतह से निकलते हैं।
❑सौर सुपरफ्लेयर्स कम समय में बहुत अधिक ऊर्जा का उत्सर्जन कर सकते है।

❑ सौर ज्वालाएं ( सोलर फ्लेयर्स ) :–

❑यह बहुत ही कम समय में ऊर्जा का एक शक्तिशाली विस्फोट करते हैं

❑जिससे ऊर्जा  प्रकाश की गति से यात्रा करती हैं।

❑विद्युत चुम्बकीय विकिरण के ये तीव्र विस्फोट पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल और आयनमंडल को मिनटों में प्रभावित कर सकते हैं।

❑छोटे सौर ज्वालाएं संचार ब्लैकआउट का कारण बन सकती हैं।

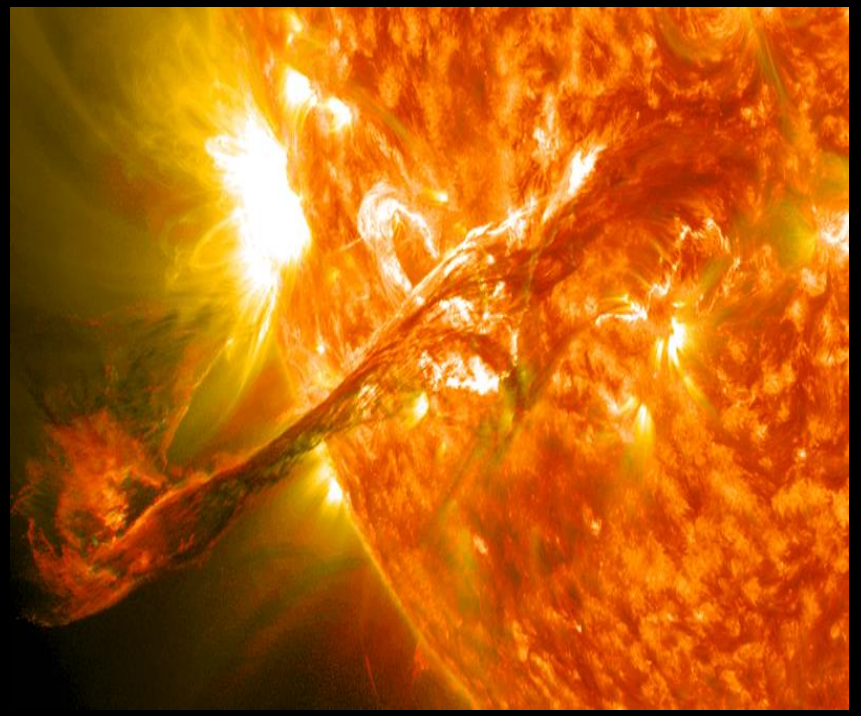

❑सुपरफ्लेयर :–

❑यह बहुत दुर्लभ घटना होती हैं लेकिन इसकी ऊर्जा तीव्रता सौर ज्वालाएं से अधिक होती है।

❑सुपरफ्लेयर को 'मियाके' घटनाओं के रूप में उल्लेख किया जाता है।

❑जिसका 'मियाके' नाम जापानी भौतिक विज्ञानी फुसा मियाके के नाम पर रखा गया था।

❑जिन्होंने वर्ष 2012 में उन्हें चरम सौर घटनाएं कहा था जो पेड़ों की वृद्धि के छल्ले में रेडियोधर्मी कार्बन समस्थानिक छोड़ती हैं।

❑यह शोध अध्ययन साइंस नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

सौर सुपरफ्लेयर्स के प्रभाव :– यह हेडिंग डालकर पूरी स्लाइड खाली रखनी है

प्रश्न. यदि कोई मुख सौर तूफान (सौर प्रज्वाल) पृथ्वी पर पहुँचता है, तो पृथ्वी पर निम्नलिखित में से कौन-से संभव प्रभाव होंगे? (2022)

1.जीपीएस और दिक्संचालन (नेविगेशन) प्रणालियाँ विफल हो सकती हैं।

2.विषुवतीय क्षेत्रों में सुनामी आ सकती है।

3. विद्युत ग्रिड क्षतिग्रस्त हो सकते हैं।

4. पृथ्वी के अधिकांश हिस्से पर तीव्र ध्रुवीय ज्योतियाँ घटित हो सकती है।

5. ग्रह के अधिकांश हिस्से पर दावाग्नियाँ घटित हो सकती हैं।

6. उपग्रहों की कक्षाएँ विक्षुब्ध हो सकती हैं।

7. ध्रुवीय क्षेत्रों के ऊपर से उड़ते हुए वायुयान का लघुतरंग रेडियो संचार बाधित हो सकता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2, 4 और 5

(b) केवल 2, 3, 5, 6 और 7

(c) केवल 1, 3, 4, 6 और 7

(d) 1, 2, 3, 4, 5, 6 और 7

# राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

❑किसी भी राष्ट्र के सतत विकास में ऊर्जा दक्षता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
❑भारत में स्थिरता के के साथ ही सतत विकास में ऊर्जा दक्षता के महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रति वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है।
❑यह दिवस  हर वर्ष 14 दिसंबर को मनाया जाता है।
❑राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस  जागरूकता बढ़ाने का दिन है जो हमें बताता है की ऊर्जा की बचत क्यों जरूरी है और क्यों हमें इसका संरक्षण करना चाहिए।

❑ऊर्जा संरक्षण का मतलब :–
1. बेहतर तरीकों और तकनीकों का प्रयोग कर ऊर्जा का कम उपयोग करना।

ऊर्जा

**राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस: एलईडी बल्ब और ट्यूब लाइट अपनाने से सालाना 12 करोड़ टन से ज्यादा सीओ2 पर लगाम लगी**

*पहला राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 14 दिसंबर, 1991 को मनाया गया था, तब से, 14 दिसंबर ऊर्जा की बचत के बारे में जागरूकता बढ़ाने का दिन बन गया है।*

Source :– Down To Earth

# विश्व बैंक की 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' रिपोर्ट

❑ वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार स्पष्ट किया गया है कि :–

❑अगले 25 साल दुनिया के सबसे कमजोर 26 देशों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होने वाले है।
❑आने वाले 25 साल इन 26 देशों की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे कि यह देश अपने आप को मध्यम आय वाले देश के रूप में स्थापित कर पाने में सफल होंगे या या विफल होंगे।
❑विश्व बैंक के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इन देशों की 40 फीसदी से अधिक आबादी प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर गुजारा करने को मजबूर है।
❑ये देश बेहद गरीबी को समाप्त करने के वैश्विक प्रयास का केंद्र भी हैं।

विकास

**विकास के अगले 25 साल, तय करेंगे सबसे कमजोर 26 देशों का भविष्य: वर्ल्ड बैंक**

*एशिया और अफ्रीका के इन कमजोर देशों में दस में से चार लोग रह रहे हैं*

Source:– DOWN TO EARTH

❑इन देशों की इस स्थिति के लिए उत्तरदाई कारक :–

❑इन देशों में  जारी संघर्ष
❑लगातार पैदा हो रहे आर्थिक संकट
❑विकास की कमजोर रफ्तार के चलते इनकी प्रगति धीमी।

❑इस विश्लेषण को विश्व बैंक की आने वाली वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा, जो 14 जनवरी 2025 को प्रकाशित होगी।

# मायोट में चक्रवात 'चिडो'

- मायोट में आए 'चिडो'  चक्रवात ने भारी तबाही मचाई है।
- मायोट हिंद महासागर का एक द्वीप है जो फ्रांस के अधिकार क्षेत्र में है।
- चक्रवात के कारण  225 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- इन तीव्र हवाओं के कारण दर्जनों बस्तियां बर्बाद हो गई तथा हजार के आसपास लोगों की मृत्यु हुई।
- इस तूफान से  इतनी तबाही हुई की  इसकी तुलना परमाणु बम से की जा रही हैं।

## ❑ मायोट द्वीप :–

❑अफ्रीका के पूर्वी तट से दूर हिंद महासागर में, मेडागास्कर के ठीक पश्चिम में स्थित है।
❑इस पर फ्रांस का कब्जा है।
❑ यह यूरोपीय देश से 7,837 किमी दूर है।
❑मायोट की आबादी 3 लाख 20 हजार है।
❑मायोट यूरोपीय संघ का सबसे पिछड़ा इलाका है
❑मायोट करीब 1 लाख अवैध प्रवासियों का घर है, जहां 77% लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं।

# संग्रहालय अनुदान योजना"

Result Mitra

❑Source:– PIB Delhi

❑संग्रहालय अनुदान योजना की निम्नलिखित भूमिकाएं हैं:

❑केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सोसाइटियों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों और सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत ट्रस्टों द्वारा क्षेत्रीय, राज्य और जिला स्तर पर नए संग्रहालयों की स्थापना।

❑केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सोसाइटियों, स्वायत्त निकायों, स्थानीय निकायों और क्षेत्रीय, राज्य और जिला स्तर पर सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत ट्रस्टों द्वारा मौजूदा संग्रहालयों का सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण।

❑देश भर के संग्रहालयों में कला वस्तुओं का डिजिटलीकरण, ताकि उनकी तस्वीरें/कैटलॉग वेबसाइट पर उपलब्ध हो सकें।

❑संग्रहालय पेशेवरों की क्षमता निर्माण।

❑पिछले पांच वर्षों अर्थात् 2019-2024 के दौरान नए संग्रहालय की स्थापना/मौजूदा संग्रहालय के विकास के लिए जारी धनराशि वाले लाभार्थियों की संख्या का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

❑पिछले पांच वर्षों के दौरान संग्रहालय अनुदान योजना के अंतर्गत अधिकतम अनुदान राशि प्राप्त करने वाले शीर्ष दस राज्य हैं:

1. मिजोरम
2. मध्य प्रदेश
3. आंध्र प्रदेश
4. नगालैंड
5. उत्तर प्रदेश
6. मणिपुर
7. तमिलनाडु
8. राजस्थान
9. पश्चिम बंगाल
10. गुजरात

# जोधईया अम्मा का निधन

Result Mitra

❑कौन थी :– मध्यप्रदेश की प्रसिद्ध बैगा चित्रकार और पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित

❑कहां की रहने वाली थी :– उमरिया जिले के लोढ़ा गांव की

❑जोधईया अम्मा की शादी करीब 14 साल की उम्र में ही हो गई थी।

❑अम्मा विवाह के कुछ वर्ष बाद ही गर्भावस्था की अवस्था में विधवा हो गई थी।

❑उन्होंने 86 वर्ष की उम्र में अपने गांव में अंतिम सांस ली।

❑क्यों थी लोकप्रिय:– प्रसिद्ध बैगा चित्रकार जोधईया अम्मा की पेंटिंग देश और विदेशों में भी मशहूर।

❑ प्राप्त पुरस्कार :–

1. 22 मार्च, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री ( कला क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए )

2. 8 मार्च, 2022 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया था।

❑ भोपाल में स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में जोधईया बाई के नाम से एक स्थाई दीवार बनी है।

❑ इस पर उनके बनाए हुए चित्र लगे हैं।

❑पेंटिंग में देवलोक की परिकल्पना, पर्यावरण की प्रधानता जोधईया बाई की पेंटिंग के विषय भारतीय परंपरा में देवलोक की परिकल्पना, भगवान शिव और बाघ पर आधारित पेंटिंग प्रमुख हैं।

❑इसमें पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीव के महत्व को दिखाया है। बैगा जनजाति की संस्कृति पर बनाई उनकी पेंटिंग विदेशियों को खूब पसंद आती है।

❑बैगा जन जाति की परंपरा पर बनाई उनकी पेंटिंग इटली, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका व जापान आदि देशों में लग चुकी हैं।

❑भारत में कई प्रकार की चित्रकारी शैली लोकप्रिय हैं, जिनकी जड़ें विभिन्न राज्यों की परंपरा और संस्कृति में हैं।

❑यहां प्रमुख चित्रकारी शैलियों और उनसे संबंधित राज्यों की सूची दी गई है:

1. मधुबनी चित्रकला
❑राज्य: बिहार
❑विशेषता: यह चित्रकला प्राकृतिक रंगों से बनाई जाती है और इसमें धार्मिक व प्राकृतिक विषयों को दर्शाया जाता है।

2. वारली चित्रकला
❑राज्य: महाराष्ट्र
❑विशेषता: यह जनजातीय चित्रकला है जिसमें ज्यामितीय आकृतियों का प्रयोग होता है, खासकर सफेद रंग से काले या मिट्टी के रंग के पृष्ठभूमि पर।

Result Mitra

### 3. फड़ चित्रकला

- राज्य: राजस्थान
- विशेषता: यह भित्ति चित्रकला की शैली है, जिसमें धार्मिक व लोक कथाओं को बड़े कैनवास पर दर्शाया जाता है।

### 4. पिचवाई चित्रकला

- राज्य: राजस्थान
- विशेषता: श्रीनाथजी और भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित भव्य चित्रकला।

### 5. गोंड चित्रकला

- राज्य: मध्य प्रदेश
- विशेषता: गोंड जनजाति की यह चित्रकला प्राकृतिक विषयों और दैनिक जीवन से प्रेरित होती है। इसमें बारीक बिंदुओं और रेखाओं का प्रयोग होता है।

Result Mitra

### 6. कलमकारी चित्रकला

❑राज्य: आंध्र प्रदेश

❑विशेषता: यह हाथ से बनाई जाने वाली चित्रकला है, जिसमें प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाता है। इसमें धार्मिक और पौराणिक कथाएं दर्शाई जाती हैं।

### 7. थंजावुर (तंजौर) चित्रकला

❑राज्य: तमिलनाडु

❑विशेषता: यह सोने की पत्तियों और उभरी हुई आकृतियों वाली भव्य चित्रकला है, जो धार्मिक विषयों पर आधारित होती है।

### 8. पटचित्र चित्रकला

❑राज्य: ओडिशा

❑विशेषता: यह कपड़े पर बनाई जाने वाली पारंपरिक चित्रकला है, जिसमें भगवान जगन्नाथ और अन्य पौराणिक कथाएं चित्रित होती हैं।

Result Mitra

### 9. कांगड़ा और बसोहली चित्रकला

❑राज्य: हिमाचल प्रदेश

❑विशेषता: यह लघु चित्रकला है, जो पहाड़ी चित्रकला के रूप में प्रसिद्ध है और इसमें भगवान कृष्ण की लीलाएं व प्रकृति का सुंदर चित्रण होता है।

### 10. चेरियाल स्क्रॉल चित्रकला

❑राज्य: तेलंगाना

❑विशेषता: यह स्क्रॉल पर बनाई जाने वाली लोक चित्रकला है, जिसमें धार्मिक और लोक कथाएं दर्शाई जाती हैं।

### 11. संथाल जनजातीय चित्रकला

❑राज्य: झारखंड और पश्चिम बंगाल

❑विशेषता: यह जनजातीय चित्रकला दैनिक जीवन और प्राकृतिक विषयों को सरल तरीके से प्रदर्शित करती है।

## 12. मुगल चित्रकला

❑राज्य: उत्तर प्रदेश (अवध क्षेत्र)
❑विशेषता: यह मुगल काल की दरबारी चित्रकला है, जिसमें राजाओं, दरबारों और युद्धों के दृश्य दर्शाए जाते हैं।

## 13. मैसूर चित्रकला

❑राज्य: कर्नाटक
❑विशेषता: यह धार्मिक और पौराणिक विषयों पर आधारित चित्रकला है, जिसमें चमकीले रंगों और सोने का प्रयोग होता है।

14. लिपाई चित्रकला

❑राज्य: गुजरात
❑विशेषता: यह कच्छ क्षेत्र में घरों की दीवारों पर उभरी हुई कलात्मक आकृतियां बनाने की कला है।

15. भित्ति चित्रकला (मुरल पेंटिंग)

❑राज्य: केरल
❑विशेषता: मंदिरों और धार्मिक स्थलों की दीवारों पर की जाने वाली चित्रकला, जिसमें धार्मिक कथाएं दर्शाई जाती हैं।

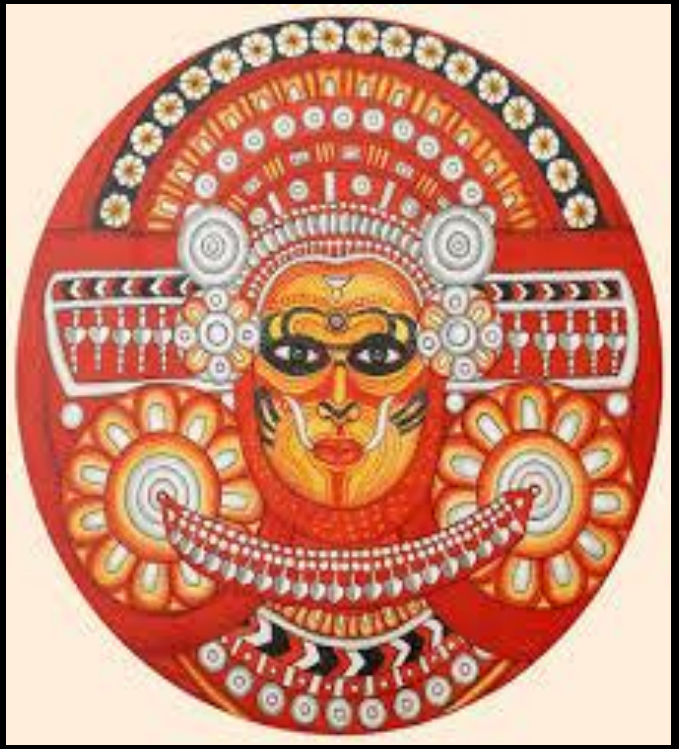

# THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result